Medium_HindiPassage_6002

भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और इसरो की उपलब्धियां

Words: 561, Characters: 2664 **LEVEL: MEDIUM**

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पूरी दुनिया में अपनी एक बहुत ही खास और मजबूत पहचान बना ली है। 101
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो की स्थापना के बाद से हमारे देश ने कई बड़े और ऐतिहासिक 196
मुकाम हासिल किए हैं। शुरुआत में हमारे पास बहुत कम सुविधाएं थीं लेकिन हमारे वैज्ञानिकों की दिन रात की 297
कड़ी मेहनत ने भारत को अंतरिक्ष की दुनिया में एक महाशक्ति बना दिया है। आज से कुछ दशक पहले जब हमने 394
अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट अंतरिक्ष में भेजा था तब से लेकर आज तक हमने 100 से अधिक स्वदेशी 483
उपग्रहों को सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया है। भारत का चंद्रयान मिशन पूरी दुनिया के लिए 585
एक बहुत बड़ा उदाहरण है कि कैसे कम बजट में भी अंतरिक्ष के बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं। इस मिशन के 685
तहत भारत दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अपना लैंडर सुरक्षित रूप से 785
उतारा। इस ऐतिहासिक मिशन में 1000 से अधिक वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने लगातार 4 साल तक बहुत कड़ी 881
मेहनत की थी। अंतरिक्ष विज्ञान का फायदा केवल आसमान तक सीमित नहीं है बल्कि इसका सीधा असर 968
हमारे रोजमर्रा के जीवन पर भी पड़ता है। आज हम जो 5जी इंटरनेट या डायरेक्ट टू होम टीवी का इस्तेमाल करते 1069
हैं वह सब इन्हीं संचार उपग्रहों की वजह से ही संभव हो पाया है। मौसम विभाग भी आज सैटेलाइट की मदद से 5 1169
से 7 दिन पहले ही आंधी और तूफान की सटीक जानकारी दे देता है जिससे हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती 1266
है। खेती में भी उपग्रहों की मदद से मिट्टी की नमी और फसल की स्थिति का पता लगाया जाता है जिससे देश के 1366
लगभग 15 करोड़ किसानों को बहुत फायदा हो रहा है। इसके अलावा जीपीएस नेविगेशन सिस्टम की वजह से 1457
आज हम सड़क पर किसी भी नई जगह का रास्ता सिर्फ 2 मिनट में अपने मोबाइल पर देख सकते हैं। भारत ने 1550
मंगल ग्रह पर भी अपना मिशन बहुत ही कम खर्च में पूरा किया था। मंगलयान को बनाने में लगभग 450 करोड़ 1646
रुपये का खर्च आया था जो हॉलीवुड की कई फिल्मों के बजट से भी काफी कम था। पहले ही प्रयास में मंगल 1741
ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला भारत दुनिया का पहला देश बना था। इसरो न केवल अपने उपग्रह भेजता है 1837
बल्कि आज 30 से अधिक अन्य देशों के सैटेलाइट भी बहुत ही कम कीमत पर अंतरिक्ष में भेज रहा है जिससे 1932
देश को करोड़ों रुपये की विदेशी मुद्रा की कमाई हो रही है। अब भारत का अगला बड़ा लक्ष्य गगनयान मिशन है 2032
जिसके तहत 3 भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इस मिशन के लिए देश के 4 वायुसेना 2131
पायलटों को विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। भारत अपना खुद का स्पेस स्टेशन बनाने पर भी तेजी से काम कर रहा है 2235
जिसका वजन लगभग 20 टन होगा और यह पृथ्वी से 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा। 2322
आज देश के कई युवा छात्र भी अंतरिक्ष विज्ञान में बहुत रुचि ले रहे हैं। सरकार ने 500 से अधिक नए 2416
स्टार्टअप को इस क्षेत्र में काम करने की मंजूरी दी है जिससे युवाओं को नई तकनीक विकसित करने का मौका 2514
मिल रहा है। इन छोटी कंपनियों ने पिछले कुछ समय में 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश हासिल किया है। भारत 2618
के इन सभी शानदार कदमों ने यह साबित कर दिया है 2664